__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date - Class - V
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-5
पाठ - 12 'पानी का घर' (भाग-2)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ- 12 'पानी का घर' कक्षा पाँचवीं की हिन्दी साहित्य का है। इस पाठ में हम 'पानी का घर' पाठ का दूसरा भाग पढ़ेंगे। यह पाठ आपको 5 दिसंबर, 2022 को भेजा जाएगा।

बच्चो! पाठ के पिछले भाग में हमने पढ़ा था कि विनय अपने पिता जी के साथ पहली बार गाँव जाता है, जहाँ वह एक लोहे की पाइप के मुँह से पानी निकलता देखकर अचंभित रह जाता है और ज़मीन के नीचे के पानी से संबंधित अपने पिता जी से विभिन्न प्रश्न पूछता है। उसके पिता जी उसे बड़े प्यार से समझाते हैं कि कैसे पानी ज़मीन के नीचे मिट्टी की विभिन्न परतों में पाया जाता है।

बच्चो! आज हम पाठ का अगला भाग पढ़ेंगे, जिसे सभी बच्चे ध्यान से समझेंगे।

विनय पिता जी की बातें बहुत ध्यान से सुन रहा था। उसने पूछा, "ज़मीन के नीचे ये परतें कैसे बन जाती हैं?"

पिता जी ने विनय को समझाते हुए कहा, "वर्षों पहले जब धरती बन रही थी, तब बड़ी- बड़ी नदियों द्वारा इन परतों का निर्माण हुआ था।"

Scanned with CamScanner

Date-   Class - V
Subject- Hindi Literature   Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

विनय ने कहा, "कमाल है।"

बातें करते-करते दोनों ट्यूबवैल तक आ गए। डीज़ल इंजन के चलने से तेज शोर हो रहा था। पंप से पानी ऊपर आ रहा था। प्रसाद जी साथ-साथ विनय को समझा रहे थे। ज़मीन के नीचे से पानी खींचने के लिए पंप की ज़रूरत होती है। यहाँ पंप को डीज़ल इंजन की सहायता से चलाया जा रहा है। जहाँ बिजली उपलब्ध होती है, वहाँ पंप बिजली की सहायता से चलाया जा सकता है।

विनय ने पिता जी से पूछा, "ज़मीन के नीचे से पानी बिना पंप की सहायता से नहीं निकाला जा सकता?

पिता जी ने बताया, "हाँ, हैंडपंप, कुओं और रहट से पानी बिना पंप के निकाला जा सकता है।"

विनय ने कुछ सोचते हुए अपने पिता जी से पूछा, "महाभारत धारावाहिक मे मैंने देखा था कि अर्जुन धरती मे तीर मारकर पानी निकाल देते हैं। पानी फव्वारे की तरह निकलने लगता है।"

प्रसाद जी को बहुत खुशी हुई कि विनय ने धारावाहिक को ध्यानपूर्वक देखा और सुना। उन्होंने बताया कि टेलीविज़न पर दिखाई जाने वाली बहुत सी बातें काल्पनिक भी होती हैं। फिर भी अर्जुन के गांडीव धनुष से धरती छेदनेवाली घटना सुनकर मेरा ध्यान पातालतोड़ कूप की ओर आकृष्ट हुआ है। इनके द्वारा पानी बिना किसी मदद के अपने

__/__/__

Date-   Class - V
Subject - Hindi Literature   Page - 3
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

आप ज़मीन पर बहता है। इस तरह के कूप अर्थात् कुएँ हर जगह नहीं बनाए जा सकते हैं।" अपने आप बहनेवाले कूप के लिए ज़मीन के नीचे मिट्टी की दो सख्त परतों के बीच पानीवाली परत का होना ज़रूरी है - ठीक किसी सैंडविच की तरह। ये मिट्टी की परतें अभेद्य होती हैं। यानी पानी इनके आर-पार नहीं आ-जा सकता। इन परतों के बीच पानी अत्यधिक दबाव में रहता है। यदि ज़मीन से पानी की परत तक छेद किया जाए तो पानी दबाव के कारण धरती की सतह तक चढ़कर बहने लगता है। इसे 'आर्टेसियन वेल' या 'स्वतः बहने वाला कुआँ' भी कहते हैं।

विनय ने जिज्ञासा से पूछा, "पानी फव्वारे के रूप में ज़मीन से कैसे निकलने लगता है?"

प्रसाद जी ने आगे समझाते हुए कहा, "मिट्टी की दो सख्त परतों के बीच दबाव के कारण। इसे अच्छे से समझने के लिए तुम एक गुब्बारा लो। बिना गुब्बारा फुलाए उसमें सुई से सावधानीपूर्वक एक छेद कर दो, फिर उसमें पानी भरो और देखो क्या होता है। विनय ने एक दम से कहा, "हाँ, पानी इस छेद से फव्वारे के रूप में निकलने लगेगा।"

प्रसाद जी ने कहा बिलकुल सही इस प्रयोग में गुब्बारे की झिल्ली के कारण उसके भीतर का पानी में दबाव रहता है। इसी तरह ज़मीन में सख्त मिट्टी की परतों के कारण पानी दबाव में रहता है।

Scanned with CamScanner

_/_/_

Date- Class- V

Subject- Hindi Literature Page- 4

Subject Teacher- Ms. Roma Rani

विजय उछलकर बोला, "समझ गया... मैं अच्छे तरीके से समझ गया।

नई जानकारी मिलने पर विनय की आँखों में चमक थी।

बच्चो! आज हमने यह पाठ पूरा कर लिया है। आशा है यह आपको अच्छे से समझ आ गया होगा।

अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी, जिसे सभी बच्चे अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य

- बच्चो! आप इस पाठ के विस्तार में से के प्रश्न उत्तर करने की कोशिश करेंगे।
- आप इस पाठ के शब्द-अर्थ याद भी करेंगे।

धन्यवाद!

Last page.